**धारा 46, सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

सादर यह शपथ करता है

1. यह कि मैं वाद सं. ............ में डिक्रीदार हूँ जो इस आदरणीय न्यायालय द्वारा डिक्री गयी।
2. यह कि ........................................ रुपये की एक रकम इस आदरणीय न्यायालय द्वारा पारित की गयी डिक्री के अधीन निर्णीत ऋणी से वसूली जाती है।
3. यह कि यह निवेदन किया जाता है कि निर्णीत ऋणी के पास इस आदरणीय न्यायालय की अधिकारिता में अन्दर या तो जंगम या स्थावर कोई सम्पत्ति नहीं है लेकिन वह .. ........................ की अधिकारिता के अन्दर व्ययन की शक्ति के साथ जंगम एवं स्थावर दोनों की रखता है।
4. यह कि ............. की अधिकारिता के अन्दर निर्णीत ऋणी की होने वाली सम्पत्ति विवेकाधिकार इसके साथ उपाबन्ध की गयी अनुसूची में दी जाती है।

**प्रार्थना**

यह सादर प्रार्थना किया जाता है कि एक व्यक्ति को इसके साथ उपाबन्ध की गयी अनुसूची में ब्यौरे वार निर्णीत ऋणी की ही होने वाली सम्पत्ति की कुर्की करने के लिए.......... में न्यायालय को इस आदरणीय न्यायालय द्वारा जारी की जाय। यह तदानुसार प्रार्थना किया जाता है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान .............**

**तारीख ...............**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में

**अबक**  ........ वादी/याची

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी/प्रत्यर्थी

**शपथपत्र**

मे ....................... निवासी............. निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञात एवं घोषणा करता हूँ

1. यह कि मैं......इस मामले में.... हूँ और अतएव इस शपथपत्र का शपथ लेने में सक्षम हूँ.
2. यह कि दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवं सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......................में इस तारीख .......................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवं सही है।

**शपथकर्ता**